

गया है, इसका एक उदाहरण मैं देना चाहता हूँ।

कुछ महीने पहले मैंने संचार मन्त्री से वाराणसी की टेलीफोन व्यवस्था की शिकायत की थी और विशेष कर मैंने अपने टेलीफोन नम्बरों 66606 तथा 65864 के बराबर खराब होने की बात बताई थी। जब संचार मन्त्री का पत्र वाराणसी पहुँचा तो उस समय मेरे खराब टेलीफोन को ठीक कर दिया गया। संचार मन्त्री ने मुझे उत्तर दिया था कि आपका टेलीफोन ठीक कर दिया गया है और उसकी बराबर देख-रेख की जा रही है। इसके बाद मेरे दोनों टेलीफोन पुनः खराब हो गये हैं और शिकायतों के बावजूद उन्हें ठीक नहीं किया गया।

टेलीफोन नं० 65864 महीनों डूँड पड़ा रहा। पुनः मैंने संचार मन्त्री का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट कराया। लगभग एक महीना बीत जाने के बाद मुझे वाराणसी के डो ई फोन्स का एक पत्र मिला कि आपकी शिकायत दर्ज कर ली गई है और भविष्य में आप टेलीफोन की शिकायत के लिए एस डी ओ (फोन) तथा ए ई (फोन) से ही सम्पर्क कायम करें। इससे इस बात का पता चलता है कि संचार मन्त्री की कार्यवाही का, जो भी कार्यवाही उन्होंने की हो, वाराणसी के टेलीफोन अधिकारियों पर क्या प्रभाव पड़ा है।

वाराणसी का आठ नम्बर से शुरू होने वाला टेलीफोन तो शायद ही कभी मिलता हो। यही हाल 7 नम्बर से शुरू होने वाले टेलीफोन का है। वाराणसी के आस-पास के जिलों, गाजीपुर बलिया, आजमगढ़ आदि की ट्रंक लाइनें बराबर खराब रहती हैं। दिन-दिन भर इन्तजार करने के बाद भी टेलीफोन नहीं मिलता। अनेकों बार मैंने दिल्ली से अपने निर्वाचन क्षेत्र गाजीपुर ट्रंक काल करने की कोशिश की, मुझे बराबर जवाब मिला कि लखनऊ से गाजीपुर तथा

वाराणसी से गाजीपुर की लाइनें खराब पड़ी हैं। मैं कभी भी अपने निर्वाचन क्षेत्र के टेलीफोन से इधर कई महीनों से बात नहीं कर सका।

मैं सरकार का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ और मांग करता हूँ कि वाराणसी के टेलीफोन तथा वाराणसी के आस-पास के जिलों से सम्बन्धित ट्रंक व्यवस्था को अबिलम्ब ठीक कराये जाने की कार्यवाही की जाये ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिले।

(iv) ROBBERY INCIDENTS IN TRANS-YAMUNA COLONIES IN DELHI

SHRI H. K. L. BHAGAT (East Delhi): A serious case of robbery has taken place in Nirman Vihar, Swastiya Vihar and other trans-Yamuna colonies which has created great panic in the minds of the people. One person was killed and several injured including women and children. This area needs urgent attention for regular patrolling and other necessary effective steps for the protection of the people. The Police Stations in the trans-Yamuna area are ill-equipped from the point of view of manpower, vehicles and other requirements. Quick and effective steps may be taken to trace the culprits. The area borders Uttar Pradesh on two sides (Ghaziabad and Bulandshahar). Therefore, more precautions and better cooperation between Delhi and U. P. Police are necessary.

(v) DEMAND FOR INQUIRY INTO SPENDING OF FUNDS ALLOTTED FOR DEVELOPMENT OF AREAS IN MAHARASHTRA, KERALA, KARNATAKA AND TAMIL NADU STATES.

SHRI K. T. KOSALRAM (Tiruchendur): In the Sixth Plan, under the Special Central Assistance Programme for the development of Western Ghats region falling in the